ਤੂ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ਸੂਯੇ (ਦੀਨਨ) – ਅਰਥ ਪ੍ਰਬੋਧ

ਵਕਤਾ: ਸੰਤ ਗਿਆਨੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜੀ ਖਾਲਸਾ ਭਿੰਡਰਾਂਵਾਲੇ



ਲੇਖਕ : ਗਿਆਨੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਜੀ 'ਲਿਖਾਰੀ ਜਥਾ ਭਿੰਡਰਾਂ'

おける デロー ぎょう Facebook.com/GianiPritamSinghJiLikhari

Introduction

This PDF contains the handwritten notes of Giani Pritam Singh Ji while he was studying under the tutelage of Sant Giani Gurbachan Singh Ji Khalsa Bhindranwale. This PDF contains notes of arth (meaning of Gurbani) written during the katha of Tve Parsad Swaiyeh. This was written by Giani Pritam Singh Ji in 1962, during the Katha of Sri Dasam Granth Sahib Ji by Sant Giani Gurbachan Singh Ji Bhindranwale in Pind Vadda Rajoana. It is a wealth of spiritual knowledge, so please read it yourself and share with others. For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:



www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari

(8) ति प्राप्त हिंच - 1 - अध्या कार्य हेश भाग । विकास मार्थ हिंच - 1 - अध्या कार्य हेश भाग । विकास मार्थ हैं के जाता है जो स्थाप के के जाता है जो स्थाप के के जाता है जो स्थाप के लिए के लिए के जाता है जो स्थाप के लिए के

व् भूमारि महेमे

हिमाप्या: - अम्माम हा वडर वाहि वासा प्रे वामा माम्मा । कराह ही मिन्ड माधीमा क्रिक्छ उरमा प्रमा किल्ड किला विकार किला कि माधीमा उर्दे मी अवभी है मछी है तक हित है इस ही तम है ह राष्ट्रिय हम है कि ह र मूंके छ पारेम हुन वस्त्र वतरे ग्रा ६० भाभन वीमा है!-- रीठा वी प्रियाक वर्वे कि नोवा हा विवाद मिद्दामी विश्वां सी प्रशासिता कि माली कार है। कार है। मारी मां की वित्रा है पान दिस्ता है। हिमेम विधामा ववरावे (सीता में दिवा वे मिन वाडा। में विधान ना मित्र वार्वः भिर्मेत्राच १ भिरां डाही बर्डेस्मे (बारीमार) इममेरी यवर दाविमां है, व हरू, उवराधम, भीवेश में मारिकां है (गावे) रामववरिकारी। यह पम रा रावा प्रविष्पातिक। नहीं मुवा हाने रतमा कर्ता महा प्रवा निकरी स्य वेष्ट्राकी भागं मतांरतां म्यं (तवाधिय) तवां हे भाषी पडी वाने।। मन्त्र मार्म मन् वे परियारी मानियां मितामां हिन मानियां डांडी पाछतां ववरारी। येथर रेडल में एल में या में आप दां ववरारी जल हिर कि ए हाले मल हिन विश् हाले बीहां ही यलर बाल हिना बलवे तरी वनाबि चारे क्याना हे जीहां हे हा वलपश महिन में मीह गत हितां है वनमां सी हिस्त करी ववरा पाछप्रां ववत छना॥ रीत रिकाफ रिवामा विवि रेश म देस हैं । ही हो ने दियाय कर हाला ह किमान हा अज्ञात देसां है देस वे िस्य । में हिंसे महिंवा ह वर्षेवा। वर्ष हें हे का महिंव हें हैं वार हा त भी। (मायी - मुमे भीवेघ वरी दिव पिंड है किमी रेहरी। डेबो भाने बीरे राजा 2 को ववमा आध्याव वृद्द्वाणा चाउउ व इस इसपूर्व इसां वेई समूरी मात्र विसारी। रण द्वति वे पाल में रल द्वारे! द्वतत प्रमां दे रख है हिनपल हिन रल मररारी। भीड भारीन युनेन पानत में पान द इतिमानी मार्य है मान है भाषा है समझ्हेस ह है जिस्टी युन है चे पूर्व भी की पीड़ में बारे में उदा महाकाइ देखाइ में प्रिप्ति दिसने द्वार काम परले पात में पारि मंद्रे परमापिड विस्ते ही भाप रा पाताहात मि पा मवरा है। विरवडेम मनेर किन है मेर वडेम ही भाग है केर थी पूर्व किन सिर्व वस्तर कर वह कर के होता है जिल्हें के प्रवास है के विकास में मार के निर्मा के मान के निर्मा के निर् हेर देवेरहूँ भी किमने वनवे हे बरावे विक्रित है हिन्ती किमरी रेडि वैश वैस बुगर में वेसी र रावें ग्रांग बतने बुगं री वेसी रामी सालरावें। 3 वीट भडेवा व्रवित इनिम मुंड विध्य बहात अतारे- वी संभित्त के करते. डिमा डर्ड एव एक मिर्ट किमा के हति है एस हिए मिर कि मिर कि मिर मिर मार्थ (महीरहा मार्था हेर्ड मार्था में कार्य हो होती पार है परम रैंडिटिर से एर वेहा मार्वावित्व हिन्द राम वेववेचरा। र वेहण्य ह क्मिक्र के मार्थ है विकाम है कहा है मार्थ है के के मार्थ है मिल्ड है मार्थ है मिल्ड है मार्थ है मिल्ड है मिल् वरमारिमा निमामार्थ। इंक बेच अवार अवेश व वार गरेव मेरे वर वर गर र भारे ४ मेरा १६ एवार, ४ वने झां, ववाकाहि। विमास ववने पव गरे पनी यहिंडी भां रा हा विंदू मुमल मार चीड सं नव उमान वववे बंद वारे पव उस

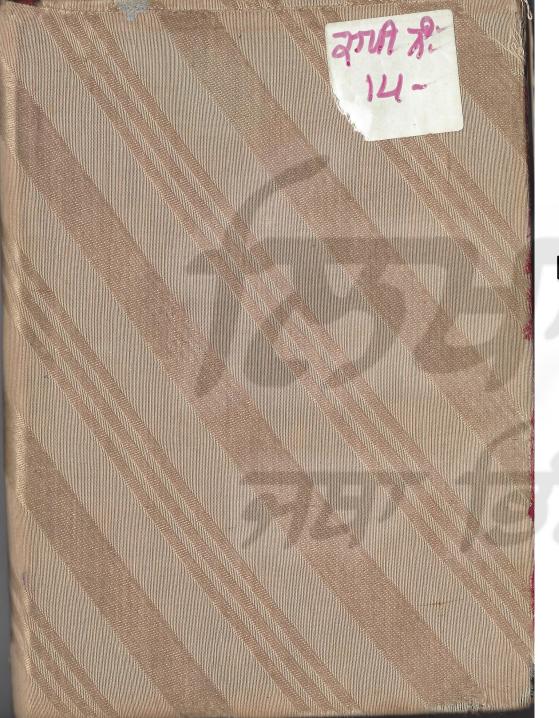
र न मा हिमा काह प्रेम र नी निहामा। युन्त प्रेम प्रवाष्ट्र विता परिष्ठि वितामी परमापुर पार्ट : पुठत पेमरे प्राप में बतीव हा युवत पेम रे प्वाह विमा धिन हे मिरिड कित भारिमा हे पारी प्रमेस है पारिमा है काह तरी ४ पाकिमा पेम रे वरीता मारि मारे ज्वार रामारि व्यर्ग हाम्रह क्य के। मारीड मीडडें किड है। माताल है या है मा देश कित मंदर है। म कुर बरियक्का ममां। विद्य में ह हाका ममां। वहार हर्डमार, दिरां म उद्देश माराज माराज माराज माराज माराज माराज माराज माराज में है है है है है है माराज म निमार किया देशी रेशा हिते हु होग विभाग हरिए हित हिता है विता भाराय-वमा आहिइ राजां ने वित ॥ मार्य मन्य मार्म भारिन गाम है में मह द्विवं है मार : है है मा ॥ द्विवं हैं मिला हिन्दि क्रिकार वे बढ़ा जन्डा माठे केंद्रां है बठ र हाका वृत वह माहि है भारे राम वतर बाला। तर भे वर्ष ववडा प्रहेर ने जलां वर्षा की ववडा ववडाका वे हैं। हिं गड़ है। ही तरिमाल सिमानि ही मिल हिंगान वर्ग महिंगान वर्ग दारी मां डेरिशामवत्रहाले रिशामारी साधी। पिहेही रीता डेरिशामा वर सी गृह ही रिक्षा सी या है। भी याडे भी भीवा सा याडी। भीचन मन कित मार्रेट इंग मेंदू हा मवर्ष में मूपा भी परमायि माहिमा हाप्ती प रिर्न निपंदे एस इवीडे उत्र छे नि नही। वाम में ने पत्र लेख में में म िमिटिंड कमा कैंप केंद्र मेंच मार्निंद राजी दार्श केंद्रा र मेंचा र देवा रा है है म हारास मामिह हिना हिन्दि कहार महाय है कि हि हि

हड़ी किसि हास हिस हिस में हिने हि हि मास रिक्रिटर भूम वव हा है हा मावे भी वा हा हमें हिन भी मी मेठ विवड भें उने विव ही। भागाना मही के अवद र इ. बिन मान दे वित मान दे वित - ल्लाइ है नामितामादीमा है किरामादी गडा है। है। नामक हे हैं कर लंगाड़ि क्षिर हिल्लामा है है है लगात टर्ड है तिमाल माजाम हिन हिन्त व हामामां ही वेनी हिना है। वर्ग है उन्हान के उन्हान के कार्य भूप भीरत भी परमायिक है विसहासने ईल हा नै ने विनि स्थाव ई ही भा हिमा रां परी जीमेल लहेगा। विकार गामी मारे हे रही मंड मित्र हिस हिस्टि हिंह के हिस मामीकी हुने भार मित्र विशिहा मुठमा अल्डिक के अस हिन्द कि एक मिमां अलाहां।। अत उकां विकार है वर्ग ही दिला मा कि हे हैं कि लात मार्ग है का हु जाह है सम ह मिल हेमसे ना हिस्ट हीमा मारी के है जार जीमा हैमा हा भार होमा च मिने ग्रा अप कर हैन र हैन र कागर भाई र उड़े 1 हरां दा कलारिया वे विकारित ही तरी सवाता पैसा। उच्छ है मध्ये वर्त देव विषा जीवामा रख है वेवस कहिल्ड विकार हाम हैगा एडिए प्रतिमान मिलान कि पि एए। हिल्ह

हिस, बाम है बीजी पाउ, कवारा राजी परेश मेर सी बाउ वरा विर है में म पेट जी वे पट चीन वनाहै जिंव विमेरी बाल की रमी है माना रे पेट रे यह रे दिन १ व मक कावारि ने भाना है पेट रीमां बीमाहीमां ने महें वर्जी म सामद चेड मार्डेट मार्डे डमारी वह रिमार्ड कर, अडल रिकडवारी वह महाम म (वृत्रेव) माना मानी हाते रंगकार है। सेंड रहेडे, वेस्पीर में विविज्ञाहते म्हर हैंग ही वस हिंद ह कर प्रसार जाराम मारमा मह । एट हैंगा मी हम पत्नी भावाम पडाल कलाउस मास्ति। यह, भावाम है, हा हेहिंगमां ही गार हमारी हाम हिए महाम कि हा है। हे लाह हा है। हि हिरह भारि भने राजी पान प्वार्ड दे-भाष सी मेना सा पाना सन सा (है) रिमर्च गिष्मामा हिंडी का का हिंडी का कि हिंडी का कि कि कि कि कि कि कि कि कि क्षेत्र छते मन जी अपीमा मत अने देहरे भिषा मिन स्मी वता हार्म चैते क्षेत्र कि हमा तर की ए ए हैं मार है मार हाट कीट हैं। पर है है है ह व्या विहित्रण व हवा दे। न गावर में अवगर में व्यापा विश्विम मव हिन्दी विपार कार हे निया है भाग से किन्निय है। कि मिन है मेहा करा मेराविज्ञानिमां दिन भागिती है। यहा ही पार ही पार कि उन विशामा विकास है भवेरे पर है। महारकार के भवनी मि ही मेरा दीरी इंक्स्यान स्थारी मारा के के हमा किया है। मार के स्थार है। से हिंद से किया है। से हिंद से किया है। से हिंद से किया है। से किया

(इसकी) के ममिन मार्किम रेमिन के जारी मार्किम रिकीमम के (गरमह) दिन हम इसिल इस हर्ड महा मिला भारत किया मान किया मान किया मान मान पर मिए का एक मामी ए दिए उर्व रिकान निर्देश के मिना ए महिन्दि यर मान केर वेंग केर केर मानिया हिए हे मेट रहे केर माने प्राप्त भड़क्सी मेडीमामी हरिम महास प्रमी मामाजीस पर दिए दिए हिंड सी नगरमा के व्याम केर एक मामा है मामा है। मार स्थान मान कि का माराम महिने आविहिम सानेता वालन काम ने स बर्ने मण्यमधुराहिना के महिन कारमाही के महिल् मिला हैटडी है के शामाभी है रही है एस मिला अन्दिविभाग प्रकारण वर्ता विभावत में भारत मही यह देन में विभावत कि हुन हैं। कार्यम मही-मड है एमा और एमाओं कहा किस हिमा, हिम हिमा है एक हरिक । हा मानीए तमानी का हिन्द कितान निकार कि एक हमीमा निकार ने कि सेन तेवार यंत्रेस प्रवार भावन से केन्द्र के माना वित्रेसा विश्वास कि का देश ही मार्ग के उन्हें के प्रतिक के विकास के किए मार्ग में किए में जी मने ही वास्रिव्हिं विविधित के विकार हिंदू ही हर कि विकार है कि विकार कि मर्त मा रिहर्ट केर मेर्ड विचित्र प्रामेश्वर केर केर केर भी भी। मिस है आएकेर तेवाव सत्तववव इत है हैर प्रात्तव देश है। वरह ने अपित विद्यानिय ए एक र एक र हिन्द र प्रकृत करा कार मार्च र मेरा हिन्द कि वावा, मेर मरी हुंग नावार मरी विश्व प्रमुख वह नाहि देश वाका वीवा मार्व मर्रिपी मेवा मारिस्ट्रें वितर में पव में उदिह्द इसके मिता।

मारिया देशके मिल होती मार्गारिए हो के स्वाहरात मार्गिया किए हा का मिन्त्र हुए हुए हुए मिन्स दुस्ति हु गह न महिमा हु। परि मारिकार हाट रिक्ट मारिका रिपर्टि मार्गिक रिमारी हिन्द ंहरें हिंछ हिंद रहह रहमती है मही हार मही ही है उर्ट महिंद जीवमां वे हिम तार विवक्त है। सीचे खर कार मां खूड पारे बर्ड मारे बात विवक्त करें बर्ड मारे बर्ड पारे बर्ड मारे बात विवक्त करें बर्ड मारे बर्ड कर करें। सेम दिविह वर्ड केम उपे उपी भाग हाला जैम वन्ने भावे हेम हिन विविधार हैहे प्रत्ये भपने ते भिले पि शिमाने नेवन ने पित सिक्षा में नं प्राप्तियों हित स्तुर हमाम रह है। समी कि ति है में उन्हां हुए मार्व कि गत है कि गार्थ निमार्थ किया है कि ध्वय मिन में इसार कारी हम यापी दिला की विवा लागत बेंट वरे क्रेंबन भागम का छहें।। अमरांता पर्व भारता भावां वतरे हु हु है या तता व व अन्यामा अन्य मार्थ प्राथम क्षेत्र का अपन के मार्थ वा ड्रिय ट्रिया रेब्र्य हि साधा मासीय प्राप्त है। किसारी हि केर्य महत्र वे पामिषावे : नावाण, वाल हैं विचि की मं हे हिमा। वठम हा ले म्मेमव है जर्प डें अबीव गरिंड है प्रवास राजा है प्यवशायां यह ला। हा प् सा। हि शिष्ठ किए है महा है भट



For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:

www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari